Dear Sister/Brother,

Today, human civilization after crossing the many stages of progress is standing at the outfall of post-modernity era. Looking at the nascent stages of human civilization there was no difference between the people. Everyone was equal with the passage of time and the development of civilization human society got divided in terms of caste, creed, community, class, colour race etc. This resulted into the culmination of untouchability, discrimination, hierarchy exploitation of larger section of society. In later time against the caste orthodoxy, the political deprivation, religious superstitions, social disorder, poverty and hierarchical exclusion etc. social reform movement was initiated. Dr. Ambedkar was one of the pioneers of the movement. Dr. Ambedkar was one who initiated to eradicate these social evil and tried to establish humanity above all. Though he is not physically present but his ideas are relevant to the global world. Today the whole world is suffering from the problem of social disorder, religious alienation, terrorism, and, the time requires moving from **'War to Buddha.'**

In this regard two day National Seminar titled **"The Relevance of Dr. B.R. Ambedkar's Ideology in Global Perspective"** dated on April 19-20, 2018 is going to be jointly organized by Department of Sociology and Dr. Ambedkar Chair, funded by ICSSR, New Delhi, where intellectual visions are kindly invited:

Sub-Theme of the Seminar

1. Social Exclusion and Inclusion : Conceptual Perspective
2. Social Exclusion and Inclusion : History, Sanskrit, and Literature
3. Dr. B.R. Ambedkar : Biography
4. Dr. B.R. Ambedkar : Social Contribution
5. Dr. B.R. Ambedkar : Economic Contribution
6. Dr. B.R. Ambedkar : Political Contribution
7. Dr. B.R. Ambedkar : Religious Contribution
8. Dr. B.R. Ambedkar : Educational Contribution
9. Dr. B.R. Ambedkar : Contribution in making India's Constitution
10. Dr. B.R. Ambedkar : Buddhism
11. Relevance of Dr. Ambedkar's ideas and action to global problems

Fee of Seminar

For Teachers	**Rs. 800/-**
For Research Scholar & Others	**Rs. 500/-**

Mode of Fee Payment: Pay cash the registration fee of the seminar and get the receipt or send the Draft in favour of Convener of the Seminar, Department of Sociology, Banaras Hindu University, Varanasi-221005.

Structure of Research Paper/Article: Typing of Research Paper/Article must be in 'Krutidev-10' of Hindi or 'Priyanka Roman' Font-14 in 'APS' and Times New Roman -12 of English.

Last date of Abstract and Research Paper/Article: Last date for receiving the Abstract March 30, 2018 (Max-1page) and the last date for receiving full Research Paper/Article April 5, 2018 (6 to 16 pages). All the research Abstract and Research paper/Article can be submitted to the organising secretary of the seminar, through E-mail: laharisociology@gmail.com

Lodging and Boarding: Organizer arranges the lodging or boarding and medical facilities in Seminar for those candidates who came from for away.

Publication of Research Paper/Article: All the Research Paper/Article will publish in form of book, certified by the ISBN, publication of Delhi. More than one Research Paper/Article according to sub-title will be accepted because of the book will be published from every title.

PATRON

HON`BLE DR. NIRAJ TRIPATHI
VICE-CHANCELLOR-INCHARGE
BANARAS HINDU UNIVERSITY,
VARANASI, U.P., INDIA

PROF. J.K.TIWARY
DEAN,
FACULTY OF SOCIAL SCIENCES,
BANARAS HINDU UNIVERSITY,
VARANASI, INDIA

PROF. ARVIND KUMAR JOSHI
HEAD,
DEPARTMENT OF SOCIOLOGY,
BANARAS HINDU UNIVERSITY,
VARANASI, INDIA
Mobil No.(0091)-0-9839335199

PROF. MANJEET CHATURVEDI
DR. AMBEDKAR CHAIR
FACULTY OF SOCIAL SCIENCES,
BANARAS HINDU UNIVERSITY,
VARANASI, INDIA

MEMBERS OF ORGANISING COMMITTEE

- PROF. S.R. YADAV, PROF. A.K. KAUL, PROF. A.K. PANDEY, PROF. A.P. SINGH, PROF. O.P. BHARATIYA, PROF. SHWETA PRASAD, PROF. R.N. TRIPATHI, PROF. RATNAKAR SHUKLA, DR. C.D. ADHIKARI, DR. D.K. SINGH, DR. SUSHMITA SINGH, DR. A.K. PANDEY, DR. ARUNA KUMARI, DR. S. MEENA, MR. PANKAJ SINGH, DR. M.K. VERMA
- PROF. REETA SINGH, DR. PRATIMA GOND, DR. REETA JAISWAL
- DR. VIKRAMADITYA RAI, DR. MADHU. SISODIYA, DR. NEHA CHAUDHARI, DR. SUSHMA MISHRA, DR. HASAN BANO, DR. JIYAUDDIN
- DR. MADHUMITA BHATTACHARYA, DR. KANCHAN, DR. MANISH TIWARI, DR. SHWATI MISHRA
- DR. KUMUD RANJAN, DR. KALPNA ANAND, DR. AKHILESH RAI, DR. ANURADHA BAPULI
- DR. RAJ JALAN, DR. VIBHA SINGH

All Correspondence

DR. VIMAL KUMAR LAHARI
Convener of Seminar &
ASSTT. PROFESSOR,
DEPARTMENT OF SOCIOLOGY,
BANARAS HINDU UNIVERSITY,
VARANASI-221005 INDIA.
Mobile No. (0091)-0-9452186527
e-mail: **laharisociology@gmail.com**

Banaras Hindu University
Department of Sociology

National Seminar
on
The Relevance of Dr. B.R. Ambedkar's Ideology in Global Perspective
April 19-20, 2018
Sponsored by: ICSSR, New Delhi

Organized by
Department of Sociology
&
Dr. Ambedkar Chair
Faculty of Social Sciences,
Banaras Hindu University
Varanasi-22005

प्रिय बहनों/भाईयों,

आज मानव सभ्यता अपने जीवन के शुरूआती पड़ाव को पार करते हुए उत्तर आधुनिकता के मुहान पर खड़ी है। मानव सभ्यता के शुरूआती दौर को हम देखें तो मानव और मानव के बीच भेद जैसी कोई वैचारिकी नहीं थी। कालान्तर में मानव जैसे-जैसे सभ्यता के पायदान को पार करता गया, वैसे-वैसे वह जाति-प्रजाति, साम्प्रदायिकता, धार्मिक कट्टरता, उच्च एवं निम्न का भेद आदि जैसे खेमे में बंटता गया। परिणामस्वरूप छुआछुत, अस्पृश्यता, ऊँच-नीच का भेद, सामाजिक कुरीतियाँ एवं अंधविश्वास कुछ खास वर्गों से जोड़ दिया गया। इस प्रकार समाज के एक बड़े भाग से उनके ही देशवासी घृणा करने लगे। वस्तुतः यह मानसिक संताप पराकाष्ठा से ऊपर था। कालान्तर में इन ज्वलन्त समस्याओं के खिलाफ समाज सुधार आन्दोलनों की नींव पड़ी। इस कड़ी के अगुवा के रूप में हम डॉ. बी.आर. अम्बेडर को देखते हैं। अम्बेडकर ने समाज में इन विकृतियों को समाप्त कर मानवीय धर्म की स्थापना के लिए सर्वप्रथम शंखनाद किया। डॉ. अम्बेडर का भौतिक शरीर नहीं है, लेकिन उनके विचार, सम्पूर्ण विश्व के लिए आज भी प्रासंगिक हैं। आज पूरा विश्व आतंकवाद, धार्मिक अलगाव, साम्प्रदायिकता, जातिवाद, महिला एवं पुरुष के बीच संस्तरण आदि जैसी भयंकर समस्याओं से जकड़ चुका है। इस जकड़न से बाहर निकलने के लिए प्रत्येक जनमानस को **'युद्ध से बुद्ध'** की ओर बढ़ना होगा।

अस्तु इसी संदर्भों की पूर्ति हेतु भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 'वैश्विक परिप्रेक्ष्य में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के विचारों की प्रासंगिकता' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी दिनांक 19-20 अप्रैल, 2018 तक समाजशास्त्र विभाग एवं डॉ. अम्बेडकर चेयर, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा प्रस्तावित है, जिसमें आप बुद्धिजीवियों के अकादमिक विचार आमन्त्रित हैं।

संगोष्ठी के उपशीर्षक

1. सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशन : अवधारणात्मक परिप्रेक्ष्य
2. सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशन : संस्कृत, साहित्य एवं इतिहास
3. डॉ. बी.आर. अम्बेडकर : जीवन यात्रा
4. डॉ. बी.आर. अम्बेडकर : सामाजिक अवदान
5. डॉ. बी.आर. अम्बेडकर : आर्थिक अवदान
6. डॉ. बी.आर. अम्बेडकर : धार्मिक अवदान
7. डॉ. बी.आर. अम्बेडकर : राजनैतिक अवदान
8. डॉ. बी.आर. अम्बेडकर : शैक्षणिक अवदान
9. डॉ. बी.आर. अम्बेडकर : संविधान निर्माण में योगदान
10. डॉ. बी.आर. अम्बेडकर : बौद्ध धर्म
11. वैश्विक स्तर पर समस्याओं के समाधान में डॉ. अम्बेडकर के विचारों एवं क्रियाओं का योगदान

संगोष्ठी शुल्क

अध्यापकों हेतु	**800/-**
शोध-छात्रों एवं अन्य हेतु	**500/-**

संगोष्ठी शुल्क का स्वरूप : संगोष्ठी का शुल्क नकद भुगतान कर रसीद प्राप्त करें अथवा संगोष्ठी संयोजक, समाजशास्त्र विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के नाम ड्राफ्ट भेंजे।

शोध-पत्रों की रूपरेखा : शोध-पत्रों का टंकण हिन्दी के क्रृतिदेव-10 या ए.पी.एस. में 'प्रियंका रोमन फॉन्ट' साईज 14 एवं अंग्रेजी के Times New Roman फॉन्ट साईज 12 में होने चाहिए।

सारांशिका एवं पूर्ण शोध-पत्रों/लेखों के आमंत्रण की समय-सीमा : शोध-पत्र की सारांशिका (अधिकतम 1 पृष्ठ) दिनांक 30 मार्च, 2018 एवं पूर्ण शोध-पत्र/लेख (6 पृष्ठ से 16 पृष्ठ) दिनांक 05 अप्रैल, 2018 तक अवश्य प्राप्त हो जाये। समस्त सारांश एवं पूर्ण शोध-पत्र/लेख ईमेल **laharisociology@gmail.com** पर भेंजे।

आवासीय सुविधा : संगोष्ठी में दूरस्थ क्षेत्रों से पधारे प्रतिभागियों को आयोजक की तरफ से आवासीय सुविधा एवं प्रथम चिकित्सकीय सुविधा प्रदान की जायेगी।

शोध-पत्रों का प्रकाशन : संगोष्ठी में प्राप्त शोध-पत्र/लेख दिल्ली के स्थापित प्रकाशन से ISBN के साथ पुस्तक रूप में प्रकाशित किये जायेंगे। संगोष्ठी में एक से अधिक शोध-पत्र/लेख उपशीर्षक के अनुसार स्वीकार्य है, क्योंकि प्रत्येक शीर्षक से पुस्तकों का प्रकाशन होगा।

संरक्षक

आदरणीय डॉ. नीरज त्रिपाठी
कार्यवाहक कुलपति,
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

प्रो. जयकांत तिवारी
संकायाध्यक्ष,
सामाजिक विज्ञान संकाय,
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

प्रो. अरविन्द कुमार जोशी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग,
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
चलभाष : (0091)-0-9839335199

प्रो. मंजीत चतुर्वेदी
डॉ. अम्बेडकर चेयर
सामाजिक विज्ञान संकाय,
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

आयोजन समिति के सदस्य

- प्रो. एस.आर. यादव, प्रो. ए.के. कौल, प्रो. ए.के. पाण्डेय, प्रो. ए.पी. सिंह, प्रो. ओ.पी. भारतीय, प्रो. श्वेता प्रसाद, प्रो. आर. एन. त्रिपाठी, प्रो. रत्नाकर शुक्ला, डॉ. सी.डी. अधिकारी, डॉ. डी.के. सिंह, डॉ. सुष्मिता सिंह, डॉ. ए.के. पाण्डेय, डॉ. अरूणा कुमारी, डॉ. स्वप्ना मीणा, श्री पंकज सिंह, डॉ. मनोज कुमार वर्मा
- प्रो. रीता सिंह, डॉ. प्रतिमा गोंड, डॉ. रीता जायसवाल
- डॉ. विक्रमादित्य राय, डॉ. मधु सिसोदिया, डॉ. नेहा चौधरी, डॉ. सुषमा मिश्रा, डॉ. हसन बानो, डॉ. जियाऊद्दीन
- डॉ. मधुमिता भट्टाचार्य, डॉ. कंचन, डॉ. मनीष तिवारी, डॉ. श्वाति एस. मिश्रा
- डॉ. कुमुद रंजन, डॉ. कल्पना आनन्द, डॉ. अखिलेश राय, डॉ. अनुराधा बापुली
- डॉ. राज जालान, डॉ. विभा सिंह

पत्र व्यवहार

डॉ. विमल कुमार लहरी
संगोष्ठी संयोजक एवं
असि. प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग,
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय,
वाराणसी–221005
चलभाष : (0091)-0-9452186527
ईमेल : **laharisociology@gmail.com**

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
समाजशास्त्र विभाग

राष्ट्रीय संगोष्ठी
वैश्विक परिप्रेक्ष्य में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के विचारों की प्रासंगिकता
19-20 अप्रैल, 2018

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित

आयोजक
समाजशास्त्र विभाग एवं डॉ. अम्बेडकर चेयर
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
वाराणसी-221005